समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Sunday, 20 September 2026

लाल किले के पास धमाका : आतंकी हमला होने पर क्या माना जाएगा 'एक्ट ऑफ वॉर' ? जांच मे जुटी एजेसिंयां

Publisher

Published on 11 Nov 2025

दिल्ली के **लाल किले के पास हुए धमाके** ने राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ऐतिहासिक धरोहर और राष्ट्रीय प्रतीक माने जाने वाले लाल किले के पास हुई इस घटना के बाद जांच एजेंसियां हर संभव कोण से मामले की पड़ताल कर रही हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि धमाका **आतंकी साजिश** का हिस्सा था या किसी **स्थानीय कारण** से हुआ हादसा, लेकिन इसकी गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार ने इसे **राष्ट्रीय सुरक्षा के नजरिए से** अत्यधिक संवेदनशील माना है।

गृह मंत्री **अमित शाह** ने इस मामले पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि, "लाल किले के पास हुए विस्फोट की जांच सभी संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए की जा रही है। कोई भी निष्कर्ष जल्दबाजी में नहीं निकाला जाएगा, लेकिन किसी भी साजिश को बख्शा नहीं जाएगा।" उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जांच एजेंसियों को **एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेसी)** और **दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा** के साथ मिलकर कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

जांच के कई कोण – आतंकी साजिश से लेकर तकनीकी खराबी तक

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, धमाका सोमवार देर शाम लाल किले के नजदीक पार्किंग एरिया के पास हुआ। इस क्षेत्र में सामान्यतः पर्यटकों की हलचल कम रहती है, लेकिन आसपास स्थित बाजार और रिहायशी इलाकों में लोगों ने तेज धमाके की आवाज सुनी। सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी।

हालांकि अभी तक किसी आतंकी संगठन ने इस घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन **सुरक्षा एजेसिंयां इसे सिर्फ संयोग नहीं मान रही है।** धमाके का तरीका, समय और लोकेशन — सभी कुछ इस ओर इशारा करते हैं कि इसके पीछे कोई **प्लान्ड मूवमेंट या संदेश** हो सकता है।

सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, फॉरेंसिक टीमें मौके से विस्फोटक पदार्थ के अवशेषों की जांच कर रही हैं। शुरुआती संकेत यह बताते हैं कि धमाके में **कम तीव्रता वाले विस्फोटक** का इस्तेमाल हुआ, जिससे बड़े पैमाने पर नुकसान नहीं हुआ, लेकिन उद्देश्य डर का माहौल बनाना हो सकता है।

अगर साबित हुआ आतंकी हमला, तो क्या माना जाएगा 'एक्ट ऑफ वॉर' ?

इस घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि अगर जांच में यह साबित होता है कि धमाका **आतंकी हमला** था, तो क्या इसे **'एक्ट ऑफ वॉर' (युद्ध की कार्रवाई)** माना जाएगा ?

दरअसल, **ऑपरेशन सिंदूर** के बाद भारत सरकार ने यह स्पष्ट किया था कि भारत की भूमि पर किसी भी प्रकार का **आतंकी हमला अब सीधे तौर पर युद्ध की कार्रवाई (Act of War)** माना जाएगा। इसका अर्थ है कि ऐसे हमलों के प्रति भारत की प्रतिक्रिया केवल **आंतरिक सुरक्षा उपायों** तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि **रणनीतिक और सैन्य स्तर पर कड़ा जवाब** देने का अधिकार भी सुरक्षित रहेगा।

यह नीति भारत की आतंकवाद के प्रति **शून्य सहनशीलता** (Zero Tolerance Policy) का हिस्सा है। विशेष रूप से **पुलवामा हमले (2019)** और **बालाकोट एयर स्ट्राइक** के बाद भारत ने अपनी सुरक्षा नीति में बड़े बदलाव किए थे। ऐसे में अगर लाल किले के पास हुआ यह धमाका **विदेशी नेटवर्क** या **पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन** से जुड़ा पाया गया, तो सरकार इसे राष्ट्रीय संप्रभुता पर हमला मान सकती है।

केंद्रीय एजेंसियों की भूमिका और सुरक्षा अलर्ट

गृह मंत्रालय ने दिल्ली समेत देश के सभी **महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थलों और सरकारी परिसरों** में सुरक्षा बढ़ाने के आदेश दिए हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल खुद इस घटना की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। राजधानी में सुरक्षा के स्तर को **'हाई अलर्ट'** पर रखा गया है।

एनआईए, **इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB)** और **स्पेशल सेल** की टीमें धमाके की तकनीकी जांच में जुटी हैं। मौके से मिले **CCTV फुटेज**, **मोबाइल नेटवर्क डेटा**, और **संदिग्ध गतिविधियों के पैटर्न** को ट्रेस किया जा रहा है।

जनता मे चिंता और प्रशासन की अपील

धमाके की खबर फैलते ही लोगों में चिंता का माहौल बन गया। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने अपील की है कि लोग अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखें। अधिकारियों का कहना है कि अभी तक किसी भी तरह का बड़ा नुकसान या जनहानि की पुष्टि नहीं हुई है।

स्थानीय व्यापारियों और निवासियों ने कहा कि "लाल किला जैसे संवेदनशील क्षेत्र में धमाका होना चौंकाने वाला है, लेकिन सुरक्षा बलों की त्वरित प्रतिक्रिया से बड़ा हादसा टल गया।"

लाल किले के पास हुआ यह धमाका भले ही अभी रहस्य बना हुआ है, लेकिन इससे देश की सुरक्षा व्यवस्था और जांच एजेंसियों की सतर्कता एक बार फिर परखी जा रही है। अगर यह **आतंकी हमला** साबित होता है, तो यह केवल दिल्ली नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए **रणनीतिक और सुरक्षा नीति के पुनर्मूल्यांकन** का कारण बनेगा।

फिलहाल जांच जारी है, लेकिन इतना तय है कि भारत अब किसी भी आतंकी गतिविधि को केवल **'आंतरिक खतरा'** नहीं बल्कि **'राष्ट्रीय संप्रभुता पर हमला'** मानने की दिशा में आगे बढ़ चुका है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.